



WELCOME UMINIED CLASSES

Like Video and Subscribe our channel







द्विगु समास

```
> पहला पद > संख्यावाची द्वितीय पद > प्रधान

> समूर्ण पद > समूह का वाध कराय।

संख्या + संज्ञा = समूह
```

उद्गाः - ग्रीराहा = न्यार राहा का समूह त्रिमति = तीन मुर्तियों का समूह





पंचात्व => पाँच भत्वों की सम्रह चवन्नी > चार आनों का समूह चारपाई => चार पायां का समूह सप्ताह > सात विनों का समूह षटकाण = द्वाः काणो का समूह





आताहरी = सी वर्षी का समूह त्रिकाण => तीन कानों का समूह भाभा => यार भुजाखों का समूह पंचरता =) पाँच रत्नों का समूह पंजाब =) पाँच आबा (निद्यों) का समूह

.



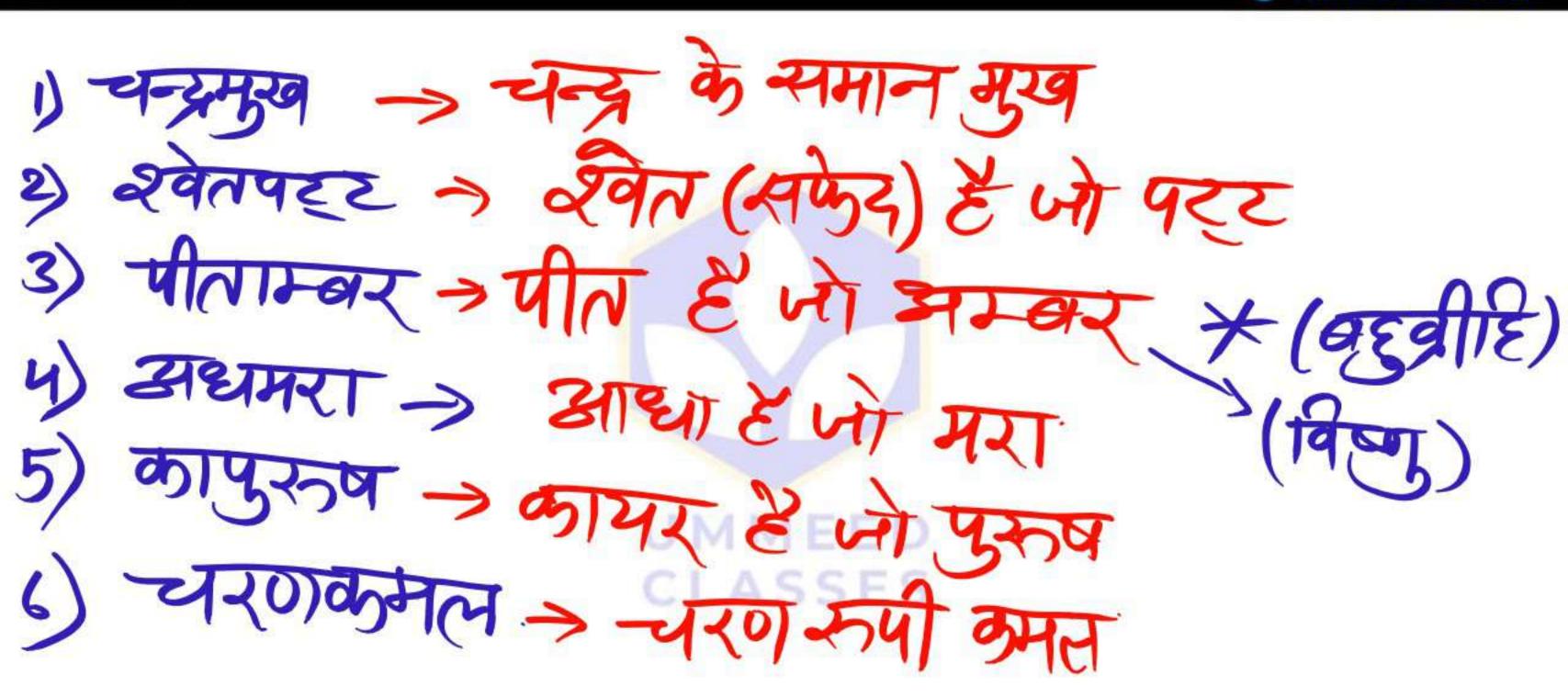


कर्मधारय समास



















महामा > महाम है जो आत्मा गणगामिनी > गण के समान अपने वाली देहला > हेह कपी जा मीनाक्षी > मीन के समान नयन प्रवस्था > दुर (व्हरी) हे जो अवस्था





सर्विलाल ३ सहवेट जो लाल विशिष्ठा -> वितार भो उच्छा है भो मुदुजल ३ मीठा ह जो जल UMMEED CLASSES









































